Class 10 Hindi – A Utsah At Nahi Rahi Hai Important Questions Chapter 4 Answers at the Bottom

उत्साह और अट नहीं रही (सूर्यकांत त्रिपाठी निराला)

1. **निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**
   मैं नहीं जानता इस संन्यासी ने कभी सोचा था या नहीं कि उसकी मृत्यु पर कोई रोएगा, लेकिन उस क्षण रोने वालों की कमी नहीं थीं। (नम आँखों को गिनना स्याही फैलाना है।) इस तरह हमारे बीच से वह बह चला गया जो हममें से सबसे अधिक छायादार फल- फूल गंध से भरा और सबसे अलग, सबका होकर, सबसे ऊँचाई पर, मानवीय करुणा की दिव्य चमक में लहलहाता खड़ा था। जिसकी स्मृति हम सबके मन में, जो उनके निकट थे, किसी यज्ञ की पवित्र आग की आँच की तरह आजीवन बनी रहेगी। मैं उस पवित्र ज्योति की याद में श्रद्धानत हूँ।

   1. उपर्युक्त गद्यांश के लेखक कौन हैं?
   2. फ़ादर को छायादार फल-फूल गंध से भरा क्यों कहा गया है?
   3. लेखक ने फादर कामिल बुल्के को श्रद्धांजलि कैसे अर्पित की?
2. उत्साह कवि की कैसी रचना है ?
3. 'पाट-पाट शोभा-श्री पट नहीं रही है।'-पंक्ति किस सन्दर्भ में लिखी गई है?
4. निराला की कविता 'उत्साह' तथा 'अट नहीं रही है' कविता में किन ऋतुओं का वर्णन हुआ है उनमें से आपको कौन-सी ऋतु आकर्षक और उपयोगी लगती है?
5. 'बाल कल्पना केसे पाले' पंक्ति का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।
6. कवि ने 'उत्साह' कविता बादलों को क्यों सम्बोधित की है ?

उत्साह और अट नहीं रही (सूर्यकांत त्रिपाठी निराला)

Answer

1.
   1. उपर्युक्त गद्यांश के लेखक सर्वेश्वरदयाल सक्सेना हैं |
   2. फादर बुल्के को छायादार फल-फूल गंध से भरा इसलिये कहा गया है क्योंकि वे सब पर अपनी छत्र-छाया रखते थे। अपनी प्रेम और करुणा की सुगंध चारों ओर फैलाते रहते थे। सभी को अपना बनाकर रखते थे।
   3. लेखक ने फादर बुल्के को श्रद्धांजलि अपने आलेख 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' के माध्यम से दी।
2. उत्साह एक आह्वान गीत है जिसमें कवि ने बादलों का आह्वान किया है | किसी भी परिवर्तन के लिए जोश की आवश्यकता होती है इसलिए कवि नवचेतना लाने के लिए बादलों का आह्वान करता है जिससे वातावरण परिवर्तित हो सके | में वसंत ऋतु का वर्णन है | इन दोनों ही ऋतुओं में वर्षा ऋतु अधिक आकर्षक और उपयोगी है क्योंकि इस ऋतु में प्राणी जन को भीषण गर्मी से राहत मिलती है | संसार में पानी की कमी दूर होती है | प्रकृति में छा जाने वाली हरियाली से प्रत्येक व्यक्ति के मन को सुकून मिलता है |
3. उपर्युक्त पंक्ति का भाव है कि जिस प्रकार बच्चों की कल्पनाएँ पलभर में ही बनती और बिगड़ती हैं उसी प्रकार बादल भी अचानक अज्ञात दिशा से आ जाते हैं और पल भर में ही तिरोहित भी होने लगते हैं |

https://www.evidyarthi.in/

4. कवि ने उत्साह कविता बादलों को इसलिए संबोधित की है क्योंकि 'बादल' निराला का प्रिय विषय है | जहाँ कविता में बादल एक ओर प्यास से पीड़ित लोगों की प्यास बुझाने वाला है वहीँ दूसरी ओर उसे नवीन कल्पना और नवांकुर के लिए विप्लव और क्रांति चेतना को संभव करने वाला भी माना है |

https://www.evidyarthi.in/